वार्षिक प्रतिवेदन

(2009-2010)

सामाजिक शैक्षणिक विकास केन्द्र

(SSVK)

जे०पी० ग्राम - बलभद्रपुर झंझारपुर (R.S) जिला-मधुबनी 847403 (बिहार)

पटना कार्यालय:- लोक शक्ति भवन

अजय निलायन अपार्टमेन्ट के सामने, नागेश्वर कालोनी, बोरिंग रोड, पटना-800001

Phone/Fax :- 0612-2522077 Mob: 9431025801, 9973161483

Website: www.ssvk.org e-mail: ssvkindia@gmail.com

दृष्टि:- संस्था एक ऐसे समतामूलक समाज का सपना देखती है जिसमें जाति, वर्ग, लिंग, वर्ण, रंग या धर्म के आधारपर कोई विभेद या शोषण नहीं किया जाता। वह समाज एक ऐसा समाज होगा जो मानवीय लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अधिकतम मानवीय संभावनाओं को सामूहिक रूप से प्रस्फुटित होने देने के लिए पथ प्रशस्त करता है।

ध्येय:- समाज की मुख्यधारा में सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक दृष्टि से सीमांत हो रहे लोगों की समतापूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु उनका प्रभावी व सार्थक शक्ति-संवर्द्धन करना संस्था का ध्येय है।

भौगोलिक परिवेश:-

एस.एस.भी.के. उत्तर बिहार के मधुबनी जिला मुख्यालय से 35 कि०मी० दूर एवं अनुमंडल झंझारपुर से 3 कि०मी० दूरी पर लखनौर प्रखण्ड में अवस्थित है। नेपाल से सटे होने के कारण 5 नदियों-कमला, कोसी, भुतही, बलान एवं गेहूँवाँ विनाशकारी नदियों के बाढ़ का सामना करना पड़ता है। प्रत्येक वर्ष बाढ़ का पानी लोगों को बेघर करते है तथा हजारों एकड़ जमीन को मरूभूमि बना देता है। हजारों एकड़ जमीन के पेड़ पौधे सूख जाते है और हजारों एकड़ जमीन जलजमाव हो जाता है। निरंतर बाढ़ के कारण यहाँ के लोग आर्थिक रूप से पिछड़े हुए है।

<u>एस.एस.भी.के. संस्था का कार्यक्षेत्र</u>

गाँव-1709
लोक शक्ति संगठन का भोलेन्टीयर-3418
लोक शक्ति संगठन के सदस्य-800000 (लगभग आठ लाख)
प्रखण्ड-31
जिला-18

कार्यक्षेत्र जिला:- 1. दरभंगा, 2. मधुबनी, 3. सहरसा, 4. सुपौल, 5. मधेपुरा, 6. समस्तीपुर, 7. खगड़िया, 8. सीतामढ़ी, 9. पूर्णिया, 10. कटिहार, 11. मुजफ्फरपुर, 12. अररीया, 13. किशनगंज, 14. छपड़ा, 15. गोपालगंज, 16. पूर्वी चम्पारण, 17. प० चम्पारण एवं 18. शिवहर

<u>एस.एस.भी.के. संस्था के सघन कार्यक्षेत्र</u>

(1) दरभंगा
(2) मधुबनी
(3) सहरसा
(4) सुपौल
(5) मधेपुरा

पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन:-

बाँध/तटबँध बिहार वास्ते नेपाल में प्रस्तावित हाईडेम एवं बाढ़ से सम्बधित मुद्दों पर चेतना जागरण, जल-वायु परिवर्तन एवं बाढ़-सुखाड़ से निपटने के प्रयास। जमीन-तालाब जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर गरीबों का स्वामित्व जिसमें पारम्परिक खेती कराया जा रहा है। समुदाय द्वारा वृक्षारोपन भी करवाया जा रहा है जिससे बाढ़ के पानी में सूख रहे वृक्षों की कमी की भरपायी की जा सके।

<u>लोक शक्ति संगठनका ढ़ाँचा</u>

(1) गाँव स्तरीय भोलेन्टीयर-2
(2) प्रखण्ड स्तरीय
  (1) संचालक-1
  (2) सह-संचालक-1

(3) जिला-स्तरीय

(1) संचालक-1

(2) सह-संचालक-1

(4) राज्य स्तरीय

(1) प्रदेश संचालक-1

(2) प्रदेश संचालक-2

(3) राष्ट्रीय संचालक-1

संस्था का लक्ष्यः-

समाज के दलित, शोषित उपेक्षित एवं महिलाओं को नेतृत्व क्षमता विकसित हो तथा समाज को कुप्रभावित करने वाले मुद्दों पर लोगों को संगठित करना ताकि वे भी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं राजनैतिक रूप से आत्म निर्भर के साथ अपने अधिकारों का समुचित लाभ ले सके।

इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एस.एस.भी.के. संस्था का वर्ष-2009-2010 का उद्देश्य हैः-

(1) लोगों को समुदाय स्तर पर प्रशिक्षित एवं संगठित कर उन्हें उनकी समस्याओं को पहचानने, जुझने (में सहयोग देना) योग्य बनाना।

(2) समुदाय को जागरूक एवं जानकार बनाने हेतु विभिन्न गतिविधि का आयोजन किया गया।

(3) समुदाय के आन्तरिक क्षमता एवं स्थानीय संसाधन के उपयोगिता के लिए दक्ष बनाया गया।

(4) स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक शक्ति को मजबूती प्रदान कर उन्हें अन्दोलित किया गया।

(5) स्थानीय समस्या को चिन्हित करवाना एवं उनके निदान हेतु संगठनात्मक पहल किया गया।

(6) समुदाय में बचत की आदत डालना ताकि उनके आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक मुख्य धारा से जुड़ सके।

(7) समुदाय को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना जिससे वह अपने जमीन/तालाबों पर अपना स्वामित्व बना सके एवं योजनाओं से लाभ ले सके।

(8) समुदाय को नये-नये स्कीम एवं संवैधानिक कानून के प्रति दक्षता हासिल करवाना।

(9) आपदा से जुझने एवं आपदा न्यूनीकरण में समुदाय को जानकार बनाना।

(10) लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना।

(11) लक्ष्य समुदाय के महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर आर्थिक रूप से सवल बनाना।
(12) महिलाओं की आर्थिक सवलता, मान-सम्मान में बढ़ोतरी एवं उनके आर्थिक सुदृढ़ि वास्ते स्वयं सहायता समूह से जोड़ना।
(13) रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं को प्रशिक्षित कर कौशल विकास करना।
(14) परम्परागत रोजगार से जुड़े लोगों का आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन स्तर को सुदृढ़ बनाना।
(15) आपदा के समय या आपदा के बाद लक्ष्य समुदाय के लोगों की राहत सहायता प्रदान करना।
(16) आपदा समय सभी राहत केन्द्रों में पार्दिशिता हेतु लोगों को जागरूक बनाना।
(17) लक्ष्य समुदाय के बच्चों की शैक्षाणिक स्तर बढ़ाने हेतु लोक शिक्षण केन्द्र का संचालन।
(18) लक्ष्य समुदाय के बच्चों को सरकारी विद्यालय से जोरकर समुचित लाभ मुहैया करवाना।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए एस.एस.भी.के. संस्था के निम्न कार्य बिन्दु है।

(1) समुदायिक बैठक
(2) मुद्दों आधारित अध्यय विश्लेशन
(3) मुद्दों की प्राथमिकता
(4) सर्वेक्षण
(5) मुद्दों पर सामूहिक सहमति
(6) समुदायिक स्तर पर योजना निर्माण
(7) योजना क्रियान्वयन
(8) मुद्दा आधारित प्रशिक्षण
(9) योजना प्रगति देखरेख
(10) मूल्याकंन आन्तरिक
(11) मूल्यांकन बाह्य (बाहरी)
(12) योजना सफलता सामूहिक विश्लेशन
(13) सुझाव के आधार पर योजना कार्यनीति:-

एस.एस.भी.के. सहभागीता एवं सुनियोजित तरीके से अपने उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए कार्यक्रमों को जमीन पर उतारने की पहल की है।

वर्ष 2009-2010 में क्रियान्वित कार्यक्रमों का संक्षीप्त विवरण:-

1. ग्राम कोष की स्थिति एवं उपलब्धता

- अनाज ग्राम कोष की संख्या-433
- राशि ग्राम कोष की संख्या-1268
- कुल ग्राम कोष की संख्या-1701
- ग्राम कोष के खाता में जमा राशि-9148872
- उपयोग मद में खर्च-4886215
- चावल 1815 क्वीन्टल-
- गेंहूँ 2814 क्वीन्टल-
- ग्राम कोष में कुल राशि-
- ग्राम कोष में सदस्यों की सं०-125432
- ग्राम कोष से लाभान्वित परिवारों की सं०-18472

ग्राम कोष से विभिन्न कार्यों में लगे खर्च एवं ग्राम कोष की राशि से किये गये आन्दोलनात्मक कार्य।

ग्राम कोष से वर्ष 2009-2010 में उपलब्धी

कार्यक्रम	लड़का, लड़की का विवाह	महिलाओं की रोजगार	चापाकल उखाड़ गाड़ एवं मरम्मत	भदोही पंजाब	जमीन	तालाब	विवाह कार्य हेतु दरी	बिमार से मुक्त	बाजा सेट
संख्या	313	292	274	1389	85 एकड़	5	40	1158	12
लाभान्वित प० की० सं०	313	292		1389				1158	

- बिमारी, पंजाब भदोही एवं विवाह कार्यों के लिए लोग अपने ग्राम कोष से 2 रूपये प्रति सैकड़ा की दर पर ब्याज लेते है।
- ग्राम कोष की राशि का उपयोग जमीन एवं तालाब दखल आन्दोलनात्मक कार्य में खर्च करते है।
- ग्राम कोष से लॉन लेने से महाजनी कुप्रभाव कमा है।
- ग्राम कोष से लॉन लेकर रोजगार करने से महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधरा है।
- ग्राम कोष से लोगों को रोजगार मिला है और कमा कर अपने बच्चों को पढ़ाते है जिससे उस परिवार का रहन-सहन बदला है।
- ग्राम कोष से लोगों में आत्म सम्मान बढ़ा है क्योंकि कुछ रूपयों के लिए उन्हें महाजन के पास नहीं जाना पड़ता है और ना ही बेगारी करना पड़ता है।
- लोग ग्राम कोष से छोटे-छोटे समस्या का निदान कर खुश है।
- सभी आन्दोलात्मक कार्य ग्राम कोष से किया है जैसे मजदूरी बढ़ाना जमीन एवं तालाबों पर दखल एवं कराह ट्रेक्टर आन्दोलन तक जिससे लाखों मजदूरों को रोजगार मिला।
- ग्राम कोष के बदौलत बीमार महिला पुरूष ठीक होकर नया जीवन की शुरूआत की है।
- ग्राम कोष की रूपया से कई स्वच्छ प्रसव हुआ है।

<u>स्वयं सहायता समूह</u>

स्वयं सहायता समूह-1189

ग्रेडिंग I -685

ग्रेडिंग II -301

ग्रेडिंग III -203

	I ग्रेडिंग			II ग्रेडिंग			III ग्रेडिंग		
प्रखण्ड	एस.एच.जी संख्या	सदस्य	रोजगार के लिए राशि	एस.एच.जी संख्या	सदस्य	रोजगार के लिए राशि	एस.एच.जी संख्या	सदस्य	रोजगार के लिए राशि
1. लखनौर	248	2976	1488000	83	996	4980000	55	660	3300000
2. मधेपुर	182	2366	910000	92	1288	7728000	62	868	5208000
3. झंझारपुर	87	1218	522000	75	975	4875000	43	559	2795000
4. अंधराठाढ़ी	24	312	120000	8	120	720000	5	75	450000
5. घोघरडीहा	18	198	108000	9	108	648000	6	72	360000
6. मनीगाछी	22	330	110000	11	143	715000	2	26	1560000
7. तारडीह	8	112	48000	3	42	252000	1	14	70000
8. अलीनगर	11	143	66000	6	72	432000	3	36	216000
9. घनश्यामपुर	14	196	70000	4	52	312000	6	78	390000
10. किरतपुर	12	156	72000	3	42	210000	4	56	336000
11. मरौना	19	266	95000	4	48	240000	8	96	480000
12. नवहट्टा	13	169	78000	2	26	130000	4	52	312000
13. महिषी	9	108	45000	1	14	84000	1	14	84000
14. कुमारखण्ड	10	130	50000	–	–	–	2	26	130000
15 मुरलीगंज	8	112	40000	–	–	–	1	12	60000
	685			301			203		

- SHG के प्रथम ग्रेडिंग के महिला सदस्यों को रोजगार सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया।
- सभी प्रशिक्षित महिलाओं को प्रशिक्षण के दौरान सरकारी स्तर से 1450 रूपया स्टाई पेन्ड के रूप में नगद कैस दिया गया।
- तीसरा ग्रेड एक पहुँची महिलायें बैंक से दो लाख पच्चास हजार रूपये लॉन लेकर रोजगार कर रही है।
- SHG के कुछ महिलाएँ बैंक से लोन लेकर अपने पति को रिक्सा एवं ढेला खरीद कर रोजगार मुहैया की है।
- SHG से लॉन लेकर महिलाएँ गाय, बकड़ी तथा भैंस खरीद कर अपने जीवन स्तर को बदलने में लगी है।
- SHG से लॉन लेकर महिलाएँ सामूहिक रूप से तालाबों में मछली पालन एवं मखाना की काम कर अपने आमदनी को बढ़ाने में लगी है।

(1) आपदा न्यूनीकरण (3) प्रशिक्षण

(2) ग्राम आपदा समिति (4) परियोजना आधारित कार्य

क्रमाक	गतिविधि	दिनांक	लाभार्थी
1.	ग्राम आपदा कमिटि बैठक	06.09.09	घनश्यामपुर प्रखण्ड के 135 सदस्य
2.	भोलेन्टीयर द्वार में गाँव आपदा न्यूनीकरण जागरूक अभियान	जुलाई 09	लक्ष्य समुदाय के लोग
3.	सामाजिक उत्प्रेरक प्रशिक्षण	11.12.09 से 12.12.09	40 लखनौर, मधेपुर, घनश्यामपुर एवं झंझारपुर
4.	पंचायती राज प्रशिक्षण	08.01.10 से 10.01.10	32 पंचायत सदस्य एवं लक्ष्य समुदाय के लोग
5.	डिजास्टर मिटिगेशन मिटिंग	19.01.2010	80 चार प्रखण्ड के लक्ष्य समुदाय
6.	स्वास्थ्य भोलेन्टीयर मिटिंग	20.01.2010	30 प्रतिभागी समुदाय से
7.	महिला नेतृत्व कर्त्ता प्रशिक्षण	03.02.10 से 07.02.10	65 प्रतिभागी लक्ष्य समुदाय गाँव की महिला
8.	पर्यावरण अभियान	10.02.2010	65 प्रतिभागी लक्ष्य समुदाय, समाज सेवी
9.	सूचना अधिकार प्रशिक्षण	12.03.10 से 13.03.10	46 प्रतिभागी समुदाय के महिला पुरूष
10.	ग्राम कोष खाताधारी बैठक	15.02.10 से 16.03.10	46 प्रतिभागी ग्राम कोष के खाताधारी महिला
11	सेकेन्ड डिजास्टर मिटिगेशन काँग्रेस दिल्ली	03.11.09 से 06.11.09	2 प्रतिभागी कार्यकर्त्ता
12.	साऊथ एशिया आपदा बैठक, चेन्नई	–	1 कार्यकर्त्ता
13.	NGO नेटवर्किंग मिटिंग	11.01.10 से 12.01.10	15 NGO मेम्बर

परियोजना आधारित गतिविधि

गतिविधि	दिनांक/दिन	गाँव स्थान	लाभार्थी	सपोर्ट
1. उत्प्रेरक (इन्ट्रेक्टिभ) मिटिंग	15.07.09	SSVK के कार्यालय	105 लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव की महिला पुरूष	**सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट** B
2. उत्प्रेरक (इन्ट्रेक्टिभ) मिटिंग	20.12.09	SSVK के कार्यालय	105 प्रतिभागी प्रखण्ड के 15 गाँव की महिला पुरूष	,,
3. सामुदायिक बैठक	01.5.2010	SSVK के कार्यालय	33 महिला पुरूष	,,
4. सामुदायिक बैठक	27.07.09	SSVK के कार्यालय	33 महिला पुरूष	,,
5. सामुदायिक बैठक	30.10.09	SSVK के कार्यालय	33 महिला पुरूष	,,
6. सामुदायिक बैठक	29.12.09	SSVK के कार्यालय	33 महिला पुरूष	,,
7. आजीविका के लिए आर्थिक सहायता				
1. जाल		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	30 परिवार	,,
2. टोकरी		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	10 परिवार	,,
3. शब्जी फेरी		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	20 परिवार	,,
4. मशाला फेरी		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	20 परिवार	,,
5. चाय की दुकान		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	10 परिवार	,,
6. पान की दुकान		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव स	10 परिवार	,,
7. कॉमेस्टीक भेडिंग		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	20 परिवार	,,
8. जूता + छाता मरम्मत		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	20 परिवार	,,
9. साईकिल मरम्मत		लखनौर प्रखण्ड के 15 गाँव से	10 परिवार	,,

गतिविधि	दिनांक/दिन	गाँव स्थान	लाभार्थी	सपोर्ट
8. आजिविका के लिए आर्थिक सहायता		कुमारखण्ड प्रखण्ड		
1. दूध फेरी		जिला मधेपुरा के गाँव	20 परिवार	**यूनाईटेड वे मुम्बई** B
2. मछली पकड़ने के लिए जाल		जिला मधेपुरा के गाँव	105 परिवार	,,
3. मशाला फेरी		जिला मधेपुरा के गाँव	5 परिवार	,,
4. शब्जी फेरी		जिला मधेपुरा के गाँव	10 परिवार	,,
5. चाय की दुकान		जिला मधेपुरा के गाँव	5 परिवार	,,
6. पान दुकान		जिला मधेपुरा के गाँव	7 परिवार	,,
7. बकरी पालन		जिला मधेपुरा के गाँव	82 परिवार (दो बकरी एक परिवार)	,,
8. टोकरी बुनना		जिला मधेपुरा के गाँव	11 परिवार	,,
9. नाई		जिला मधेपुरा के गाँव	18 परिवार	,,
10. बढ़ई की औजार		जिला मधेपुरा के गाँव	9 परिवार	,,
11. साईकिल मरम्मत		जिला मधेपुरा के गाँव	5 परिवार	,,
12. नया रिक्सा		जिला मधेपुरा के गाँव	5 परिवार	,,
9. आजिविका के लिए आर्थिक सहायता		कुमारखण्ड प्रखण्ड		
1. दूध फेरी		मधेपुरा	20 परिवार	
2. जाल(मछली पकड़ने के लिए)		मधेपुरा	105 परिवार	
3. मछली फेरी		मधेपुरा	27 परिवार	
4. मशाला फेरी		मधेपुरा	5 परिवार	**HSBC** B
5. शब्जी फेरी		मधेपुरा	10 परिवार	
6. चाय दुकान		मधेपुरा	5 परिवार	
7. पान दुकान		मधेपुरा	7 परिवार	

गतिविधि	दिनांक/दिन	गाँव स्थान	लाभार्थी	सपोर्ट
8. टोकरी 9. नाई टुल कीट 10. बढ़ई औजार 11. साईकिल मरम्मत 12. नया रिक्सा		मधेपुरा मधेपुरा मधेपुरा मधेपुरा मधेपुरा	11 परिवार 18 परिवार 9 परिवार 5 परिवार 5 परिवार	**HSBC** B
10. बाढ़ प्रभावित बच्चों के बीच स्कूल निर्माण		1. रानीपट्टी 2. वीकोरलाही 3. विकोरलाही 253/1	823 बच्चे	,,
11. कम्युनिटी कीचेन	1 माह	मुरली गंज मधेपुरा के गाँव	2349 परिवार के सभी सदस्य	**सुबोध गुप्ता, भारती खेर, नेचर मोरटे, ट्रीडेन्ट होटल सेफरण आर्ट** B
12. बाढ़ प्रभावित बच्चों के लिए शिक्षा एवं सभी बच्चों को खिलौना पठन-पाठन सामग्री		मुरली गंज एवं कुमार खण्ड	1328 बच्चे	
13. बाढ़ प्रभावित गाँव में 150 नये चापाकाल की गड़ाई		मुरली गंज एवं कुमार खंड प्रखण्ड		
14. बाढ़ प्रभावित परिवार के बीच कम्बल वितरण 7000 पीस		मुरली गंज एवं कुमार खंड प्रखण्ड	4000 परिवार	
15. कैम्प लगाकर मरीजों का इलाज		मुरली गंज एवं कुमार खंड प्रखण्ड	बच्चे, महिला एवं पुरूष	
16. गरीब लोगों को घर बनाना		लखनौर प्रखंड	476 घर	AIDMI अहमदाबाद B
17. आजिविका के लिए महिलाओं की सहायता		लखनौर प्रखंड	190 परिवार	,,
18. आजिविका के लिए महिलाओं की सहायता		किरतपुर दरभंगा	70 महिला	,,
19. बच्चों के बीच स्कूल ड्रेस एवं कीट		मधुबनी लखनौर	1000 बच्चे	,,
20. गरीब महिला पुरूषों को आपदा बीमा		मधुबनी लखनौर	500	,,

परियोजना आधारित कार्यक्रमों से उपलब्धि

- सुबोध गुप्ता, भारती खेर, नेचर मोरटे, ट्रीडेन्ट होटल सेफरन आर्ट के सहयोग से कोसी बाढ़ प्रभावित मधेपुरा जिला के मुरलीगंज प्रखण्ड में 2349 परिवार के सभी सदस्यों के बीच 1 माह तक कम्युनीटि किचेन कार्यक्रम चलाया गया।
- मुरलीगंज प्रखण्ड के 1328 बच्चों को पठन-पाठन सामग्री खिलौना एवं चाईल्ड केयर सेन्टर चलाया गया। सेन्टर निरंतर चलते रहे इसके लिए शिक्षक एवं अभिभावक की कई बैठकें की गई।
- मुरलीगंज एवं कुमारखण्ड प्रखण्ड में 150 नये चापाकल गड़वाया गया इससे प्रभावित व्यक्ति को शुद्ध पानी मिला।
- 7000 पीस कम्बल प्रभावित व्यक्तियों के बीच बाँटा गया।
- स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के द्वारा कैम्प लगाकर मुरलीगंज एवं कुमारखण्ड प्रखण्ड के मरीजों को मुफ्त इलाज एवं दवा दिया गया।
- सरदोराबजी टाटा ट्रस्ट से 150 गरीब महिला पुरूषों को रोजगार मुहैया की गई।
- सभी 150 महिला / पुरूष दुकान खोलकर रोजगार करते है।
- रोजगार कर लोग अपने-अपने परिवार का भरण-पोषण करते है एवं बच्चों को पढ़ा लिखा रहे है।
- लखनौर प्रखण्ड के दीप गाँव के खतरा खातुन सरदोराबजी टाटा ट्रस्ट परियोजना से 1000 रूपया लेकर मनीहारा फेरी करती है। वह गाँव-गाँव घूम कर समान बेचकर बच्चों को भरण-पोषण करती है।
- मोची जाति के लोग झंझारपुर प्लेटफॉर्म पर अपनी छोटी दुकान लगाकर प्रतिदिन 150 से 200 रूपया तक जूता, छाता मरम्मति कर कमाते है।
- सेफरण आर्ट / युनाईटड वे मुम्बई द्वारा जिन लोगों को नये रिक्सा दी गई वह भी प्रतिदिन 200 रू० कमाकर अपने बच्चों का भरण-पोषण करते है।
- AIDMI अहमदाबाद के ओर से 500 परिवार को घर बनाया है।
- सेफरण आर्ट के तरफ से कुमार खण्ड एवं मुरली गंज प्रखण्ड के गाँव में कुल 150 नये चापाकाल दी गई है।
- कुल 2349 परिवार एवं 12207 महिला पुरूष एवं बच्चों के सभी सदस्यों को एक शाम भोजन तथा एक शाम के लिए प्रति परिवार 1 कि०ग्रा० चूरा दिया गया।
- सेफरण आर्ट परियोजना से आठ (8) कैम्प लगाकर एक माह तक 2349 परिवार के बीच भोजन दिया गया।
- सेफरण आर्ट परियोजना के ओर से सभी 8 कैम्पों पर सभी बच्चों महिलाओं एवं पुरूषों को स्वास्थ्य भेलेन्टीयर द्वारा दवा दिया गया।
- सेफरण आर्ट परियोजना से कुल 500 परिवारों को आजिविका के लिए सहायता दी गई।
- मुरली गंज प्रखण्ड के 4 गाँव एवं कुमार खण्ड प्रखण्ड के 8 गाँव में कुल 12 लोक शिक्षण केन्द्र खोलकर वहाँ के बच्चों को शिक्षा दिया गया।
- लोक शिक्षण केन्द्र में पढ़ रहे सभी छात्र/छात्राओं को पठन-पाठन सामग्री एवं खिलौना दिया गया।
- लोक शक्ति संगठन के भोलेन्टीयर के मदद से लोगों को सरकारी स्कीमों से लाभ मिला है।
- संगठन के सदस्य को पंचायत चुनाव में जीत कर आने से लोगों को इन्दिरा आवास वृद्धा पेंशन योजना से लाभ मिला है।
- लक्ष्य समुदाय के लोगों को संस्था की ओर से नये-नये स्कीमों की जानकारी दी गई जिससे वह योजना से लाभान्वित हुए है।
- सूचना के अधिकार प्रशिक्षण से लोग जागरूक हुए है जिससे समुदाय के लोग ठगी से बचा है। वह स्कीमों की

जानकारी लेते है एवं लाभान्वित होते हैं।

- लक्ष्य समुदाय के लोग एवं पंचायत प्रतिनिधि के संयुक्त प्रशिक्षण / बैठक से आपस में संबंध बढ़ा है जिससे समुदाय के लोग पंचायत के आम सभा में भाग लेकर योजनाओं को अपने पक्ष में लेते है।
- नरेगा के तहत लक्ष्य समुदाय के लोग जॉब कार्ड लेकर रोजगार किया है।
- संगठन के 31753 जॉब कार्ड धारियों को बैंक अथवा पोस्ट ऑफिस में खाता खुला है।
- लक्ष्य समुदाय के लोग पंचायती राज व्यवस्था से 1253 नये चापाकल लिया है।
- संगठन के लक्ष्य समुदाय के लोग संगठनात्मक पहल से अपने मुहल्लों के छोटे-छोटे सड़क बनवाया है।
- HSBC - कोसी प्रलय में नष्ट हुए आजीविका संसाधन को पुनः दुरूस्त करने के लिए मधेपुरा जिला के कुमारखण्ड प्रखण्ड में HSBC के सहयोग से 227 परिवारों के बीच आजीविका संसाधन उपलब्ध कराया गया। मुख्य रूप से प्रभावित व्यक्ति जिस काम को करने में दक्ष थे, उसे उसी तरह का संसाधन उपलब्ध किया गया और वे लोग अपना जीविकोपार्जन कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं।
- उपलब्ध संसाधन मुख्यतः निम्न प्रकार है:- दूध फेरी, मछली पकड़ने के लिए जाल, मसाला फेरी, सब्जी फेरी, चाय दुकान, पान दुकान, बकरी पालन, टोकड़ी बुनना एवं बेचना, नाई, बढ़ई एवं साईकिल मरम्मत के लिए औजार नया रिक्सा आदि है।
- HSBC के सहयोग से प्रभावित गाँव में चाईल्ड केयर सेन्टर चलाया गया एवं पठन-पाठन सामग्री भी दी गई जिससे 823 बच्चे लाभान्वित हुए। सेन्टर निरंतर चलते रहे इसके लिए SSVK के कार्यकर्त्ताओं द्वारा शिक्षक एवं अभिभावक के साथ कई बैठकें भी की गई।
- United Way – कोसी त्रासदी को झेलने के बाद पीड़ित लोगों के पास आजीविका चलाने के लिए कोई संसाधन नही रह गया था। United Way के सहयोग से SSVK ने 282 परिवारों के बीच संसाधन उपलब्ध किया, जिसमें मुख्यतः दूध फेरी, मछली पकड़ने के लिए जाल, मसाला फेरी, सब्जी फेरी, चाय दुकान, पान दुकान, बकरी पालन, टोकड़ी बुनना एवं बेचना, नाई, बढ़ई एवं साईकिल मरम्मत के लिए औजार नया रिक्सा आदि है।

लक्ष्य समुदाय के लोग प्रशिक्षण एवं आन्दोलनात्मक गतिविधि से जो उपलब्धि किया है वह निम्न है:-

वित्तिय वर्ष का संगठनात्मक उपलब्धि सरकारी योजना का नाम एवं लाभाविंतों की संख्या

क्र०	योजना का नाम	संख्या	लाभान्वित परिवार
1.	अन्नपूर्णा	2136	2136
2.	सरकारी लोन	302	302
3.	सामुहिक शौचालय	83	83
4.	जॉब कार्ड	30794	30791
5.	खाता खुला	31753	31753
6.	अन्तोदय	2892	2892
7.	वृद्धा पेंशन	4898	4898
8.	इन्दिरा आवास	6118	6118
9.	कन्या विवाह योजना	705	705
10.	सौर ऊर्जा ताईट	379	379
11.	सामाजिक सुरक्षा पेंशन	809	809
12.	विद्यालय मरम्मति	381	381
13.	बी० पी० एल०	18747	18747
14.	नया चापाकल	1253	1253
15.	कबीर अन्त्येष्ठि योजना	156	156
16.	मुख्यमंत्री आवास योजना	4065	4065
17.	लक्ष्मीबाई योजना	207	207

(3) दखल तालाब का विवरणः-

जिला	प्रखण्ड	गाँव	तालाब सं०	दखल तालाब	संघर्ष जारी	लाभान्तितों की सं०
मधुबनी	लखनौर	पथराही	1	4 एकड़		
	झंझारपुर	1. सुखेत	1	4 एकड़	62 एकड़	16 परिवार
		2. संग्राम	1	10 एकड़	54 एकड़	22 पविार
		3. परसाधाम	1	5 एकड़	57 एकड़	17 परिवार
		4. कथना	2	3.5 एकड़	55 एकड़	12 परिवार
		5. खड़क	3	5 एकड़	70 एकड़	11 परिवार
		6. सिमरा	1	-	37 एकड़	
	अंधराठाढ़ी	1. रूद्रपुर	1	6 एकड़	40 एकड़	7 परिवार
सहरसा	प्रखण्ड नवहट्टा	1. कासीमपुर	2	7 एकड़	19 एकड़	12 परिवार
		2. डुमरा	3	4 एकड़	62 एकड़	16 परिवार
		3. अंग्रेजीपार	2	-	57 एकड़	
दरभंगा	घनश्यामपुर	1. डीहमुसहररी	1	8 एकड़	30 एकड़	8 परिवार
		2. घटहा	1		86 एकड़	27 परिवार
		3. सोनभद्र	1	15 एकड़	55 एकड़	22 परिवार
		4. शिवनगर	1	8 एकड़	20 एकड़	7 परिवार
		5. पराही	1	3 एकड़	60 एकड़	10 परिवार
		6. दथुआ	1	-	74 एकड़	-
		7. लगमा	2	-	26 एकड़	-
		8. लालापट्टी	1	7 एकड़	69 एकड़	15 परिवार

(2) दखल युक्त जमीन का विवरणः-

जिला	प्रखण्ड	गाँव	दखल जमीन	संघर्ष जारी	लाभान्तिों की सं०
मधुबनी	झंझारपुर	1. कनकपुरा	15 एकड़	–	12 परिवार
		2. कथना	5 एकड़	10 एकड़	7 परिवार
		3. सर्वसीमा	5 एकड़	–	8 परिवार
		4. संग्राम	–	30 एकड़	–
		5. परमानपुर	2 एकड़	33 एकड़	5 परिवार
		6. परसाधाम	1.5 एकड़	–	6 परिवार
		7. नवानी	2 एकड़	2 एकड़	10 परिवार
		8. सिरखड़िया	5 एकड़	7 एकड़	11 परिवार
		9. सोहपुर	2 एकड़	–	6 परिवार
		10. लोहना दक्षिण	1 एकड़	3 एकड़	7 परिवार
		11. चनौरा	2 एकड़	6 एकड़	15 परिवार
	मधेपुर	1. फटकी	4 एकड़	26 एकड़	12 परिवार
		2. रजौर	5 एकड़	200 एकड़	10 परिवार
		3. अन्धरा	–	2 एकड़	15 परिवार
		4. हंसौली	2 एकड़	6 एकड़	15 परिवार
		5. दर्जिया	–	1 एकड़	–
		6. पोखराम	–	20 एकड़	–
		7. मधेपुर खैरी	–	3 एकड़	10 परिवार
		8. फारम टोल	1 एकड़	–	12 परिवार
		9. टेंगराहा	4 एकड़	31 एकड़	16 परिवार
		10. लीलजा परसौमी	4 एकड़	–	20 परिवार
		11. द्वालख	2 एकड़	–	32 परिवार
सहरसा	नवहट्टा	1. लालपुर	–	15 एकड़	–
		2. नारायणपुर	1 एकड़	1 एकड़	12 परिवार
		3. सितली	–	15 एकड़	–
		4. नौला	1 एकड़	–	10 परिवार
		5. धोबियाही	5 एकड़	13 एकड़	26 परिवार
		6. बेलही	3 एकड़	15 एकड़	12 परिवार
		7. वकुनियां	–	3 एकड़	–
सुपौल	मरौना	1. चन्दरगढ़	10 एकड़	350 एकड़	25 परिवार
		2. गनौड़ा	2 एकड़	–	10 परिवार

जिला	प्रखण्ड	गाँव	दखल जमीन	संघर्ष जारी	लाभान्तिों की सं०
		3. दानापुर	–	3 एकड़	–
		4. ब्रह्मोत्तर	2 एकड़	18 एकड़	12 परिवार
		5. घोघरडीहा	–	60 एकड़	–
दरभंगा	घनश्यामपुर	1. दथुआ	4 एकड़	–	16 परिवार
		2. लगमा	2 एकड़	2 एकड़	7 परिवार
		3. लालापट्टी	1 एकड़	5 एकड़	13 परिवार
		4. शिवनगरघाट	–	10 एकड़	–
		5. पाली हरही	1.5 एकड़	–	17 परिवार
		6. उसराहा	–	4 एकड़	20 परिवार
		7. नयानगर	3 एकड़	–	22 परिवार
		8. मसवासी	2 एकड़	13 एकड़	13 परिवार
	किरतपुर	1. भूभौल	5 एकड़	70 एकड़	32 परिवार
		2. टसमा	–	7 एकड़	15 परिवार
		3. बगरस रामटोल	2 एकड़	–	12 परिवार
	कुशेश्वर	1. खेसराहा	5 एकड़	45 एकड़	36 परिवार
		2. विन्दुआ	–	35 एकड़	–
		3. मोहीम	2 एकड़	18 एकड़	40 परिवार
		4. करतबा	10 एकड़	–	32 परिवार
		5. पिपरा	5 एकड़	25 एकड़	51 परिवार
		6. बहेरा	2 एकड़	20 एकड़	36 परिवार
मधुबनी	लखनौर	1. लखनौर खैरी	1 एकड़	142 एकड़	5 परिवार
		2. कसियाम	5 एकड़	18 एकड़	12 परिवार
		3. पथराही	–	4 एकड़	–
		4. निर्मला	1.5 एकड़		7 परिवार

- जमीन दखल से लोगों में अपने अधिकार के प्रति मनोबल बढ़ा है एवं अपने जमीन का स्वामित्व महसूस करते है।
- जमीन दखल से लोग खेती कर आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है।
- लोग जमीन में केले का पेड़ आम का पेड़ एवं फल-फूल का पौधे लगाये है।
- आर्थिक मजबूती होने से लोग अपने बच्चों को पढ़ाते है और अलग से कुछ खेत बटाई लेकर निम्न स्तर के किसान बन गये है।
- जिनको जमीन मिला है उसका पलायन समयाबधि आयी में कमी है।
- तालाब में लोग मछली पालन एवं मखाना का काम करते है।
- मुसहर महिलाओं में भी मछली पालन एवं मछली पकड़ने का हुनर विकसित हुआ है।
- SHG से लोन लेकर महिलाएँ तालाब में मछली पालन एवं मखाना का काम करती है।
- आन्दोलनात्मक कार्य करने से महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ है।
- महिलाओं में अपने अधिकार के प्रति पुरूषों के अपेक्षा काफी जागरूकता है।

दीपक भारती

सचिव